कस्बों तक में है। इन कम्पनियों का खुलना एक महामारी की तरह घातक सिद्ध हो रहा है, फिर भी अपनी पूंजी बढ़ाने के चक्कर में आम आदमी इन फर्जी कम्पनियों के चक्कर में पड़ जाता है और लुट जाता है। अक्सर ऐसा होता है कि इन कम्पनियों द्वारा धन बढ़ाने का भारी प्रचार किया जाता है और लालचवश सीधे-सादे आदमी भारी संख्या में इनके खातेदार बन जाते हैं। जैसे ही पांच दस लाख रुपया किसी कम्पनी के पास जमा हुआ वैसे ही एक रात को उस कम्पनी के दफ्तर में ताले पड़ जाते हैं और उनके कार्यकर्ता जमापूंजी और कुर्सी मेज उठाकर फरार हो जाते हैं। बताया जाता है कि इन फर्जी कम्पनियों की पुलिस से भी मिली-भगत होती है। अभी कुछ दिन पहले आजमगढ़ में एक कम्पनी ने भी ऐसा ही किया।

(ii) Need to direct the Kendriya Vidyalaya Sangathan to take up construction on the plot allotted to them at Cuttack.

SHRIMATI JAYANTI PATNAIK (Cuttack) : Under Rule 377, I make the following statement.

The Government of Orissa has provided 5 acres of land to Kendriya Vidyalaya Sangathan for construction of central school building a Cuttack. Instead of starting construction on the site leased out to them, the sangathan has now come up with a requisition for allotment of additional 7 acres of land. The land already allotted to them inside the Barabati fort is a very valuable piece of land. It may not be possible to provide additional land by the State Government at this site. At present the central school at Cuttack has been functioning at the old circuit house. Apart from the fact that the old circuit house is very badly required for accommodation of the visitors and officers, the central school can hardly accommodate any further classes which will open from the next academic session in that building. The attitude of the sangathan has created discontentment among the people of the city. The central school has submitted an ultimatum to the effect that the admission to class I during 1984-85 will be stopped if the State Government do not provide more accommodation by 31st March, 1984. Unless the central school building is constructed, the fate of the students of the Cuttack central school will hang in the balance.

In view of this, I request the Minister of Education to direct the sangathan to take up the construction work on the plot allotted to them by the State Government forthwith.

(iii) Need to improve amenities in the Railway Colonies in Danapur.

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, दानापुर पूर्व रेलवे का डिवीजन मुख्यालय है। यहां हजारों मजदूर काम करते हैं। रेलवे कर्मचारियों की अनेकों समस्यायें हैं जिनका समाधान निकालने की आवश्यकता है। एक बड़ी संख्या में रेल मजदूर क्वाटरों में रहते हैं। परन्तु, रेलवे कालोनियों की सफाई असंतोषजनक है। मच्छरों का साम्राज्य है। पानी निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं है। रेलवे अस्पताल की व्यवस्था भी असंतोषजनक है। आवश्यक दवाओं की कमी है। बेडों की संख्या और बढ़ाने की जरूरत है। मर्द और महिला डाक्टरों की भी कमी है। सभी कर्मचारियों के लिए आवास की व्यवस्था नहीं है। पेयजल की उचित व्यवस्था नहीं है।

दानापुर के रेल कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा के लिए वहां कोई केन्द्रीय

विद्यालय नहीं है, कोई उनके लिए कालेज भी नहीं है। उन्हें अपने बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए पटना या अन्य स्थानों पर भेजना पड़ता है। अतः जरूरत है कि वहां केन्द्रीय विद्यालय और एक रेलवे कालेज खोलने की व्यवस्था की जाए।

अतः रेल मन्त्री से मेरा अनुरोध है कि वे इन समस्याओं के समाधान में योगदान देकर दानापुर के रेल मजदूरों के असंतोष को दूर करें।

(iv) Need to upgrade the Srinagar. Airport to an international airport.

SHRI ABDUL RASHID KABULI (Srinagar) : Under Rule 377, I make the following statement.

Srinagar aerodrome, is upgraded into International airport can not only to the flow of tourist traffic from affluent European and Asian countries to the beautiful valley of Kashmir but also directly from capitals or rich Arab and Gulf countries. Besides, the airport can handle expeditiously the vast stocks of fruit and world famous Kashmiri handicrafts and Carpets which have ever ready markets in many countries. Srinagar airport deserves upgradation for its being one of the fountain heads of the tourist trade in the country besides possessing other geophysical dimensions. By doing so and bringing Jammu and Kashmir on the world tourist map the age old backwardness and poverty of its people can be removed easily. Srinagar lacks a rail head. Besides, the Srinagar and Jammu National Highway is vulnerable to road blockades.

It is unfortunate that importance of Srinagar airport for the tourist trade has so far not been fully realised. It can connect the country with Tashkent, Moscow, Kabul, Islamabad, Peshavar, Tehran, Bagdad and Middle East countries easy economical flights. Jammu and Kashmir with tremendous potential for tourism, fruit and handicrafts can with the help of international airport facilitate earn much more foreign exchange for the country. The Government should recognise the importance of Srinagar airport and upgrade it as an international airport without any more delay.

(v) Need for starting the 'Sangam Express' railway train from Saharanpur.

श्री रशीद मसूद (सहारनपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, सहानपुर-मुज्जफरनगर के मुसाफिरों को जो इलाहाबाद जाना चाहते हैं, मेरठ आकर संगम एक्सप्रैस पकड़नी पड़ती है। कभी कनैक्टिंग ट्रेन को देर होने के सबब ट्रेन मेरठ से छूट जाती है। जिसकी वजह से लोगों को सख्त परेशानी का सामना करना पड़ता है। मेरे कई बार के लिखने पर 1979 में संगम के बजाय मेरठ के सहारनपुर से स्टार्ट होने के आर्डर्स हो गए थे। मगर जब सहारनपुर में ट्रेन को चार घण्टे रुकने के लिए यार्ड नहीं था। मगर अब सहारनपुर में इस ट्रेन को रोकने की जगह है। अब इसमें किसी किस्म की परेशानी नहीं है। सहारनपुर-मुज्जफरनगर से इलाहाबाद के लिए कोई दूसरी ट्रेन या जरिया-ए-सफर भी नहीं है। इसलिए सहारनपुर से अगर संगम एक्सप्रैस को चलाया जाए तो मेरठ और दूसरी जगह के लोगों को परेशानी भी नहीं होगी और सहारनपुर मुज्जफरनगर के लोगों को आसानी हो जाएगी। इसलिए संगम एक्सप्रैस को सहानपुर से शुरू करना चाहिए।